ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-11-2026

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-11-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-11-07	2026-11-08	2026-11-09	2026-11-10	2026-11-11
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	26.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	9.0	11.0	11.0	10.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	67	66	65	63	67
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	27	26	25	23	27
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	9	8	9
पवन दिशा (डिग्री)	65	68	78	75	73
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	2	2
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी पाँच दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.0–26.0°C एवं 8.0–11.0°C के बीच रहने की संभावना है। हवा की गति 7.6–8.7 किलोमीटर प्रति घंटा तथा हवा की दिशा उत्तर-पूर्वी रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता 23–63 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

 जिले के लिए कोई मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

 पिछले कुछ दिनों से लगातार शुष्क मौसम रहने तथा आगामी पाँच दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना के कारण फसलों में मृदा नमी की कमी, सिंचाई की बढ़ती आवश्यकता तथा कीटों के प्रकोप की संभावना हो सकती है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों में समय पर सिंचाई करें, मृदा में नमी बनाए रखने के लिए फसलों के आसपास सूखी घास की पलवार (मल्चिंग) बिछाएँ तथा कीटों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें।

सामान्य सलाहकार:

 पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करने के लिए जल निकासी मार्गों की नियमित सफाई करें। रोगों एवं कीटों के प्रसार को रोकने के लिए संक्रमित फलों एवं टहनियों को हटा दें। पशुओं को सूखे एवं सुरक्षित स्थान पर रखें

तथा उन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएँ। □ मौसम साफ रहने पर निराई-गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाने जैसे कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है। □ फसलों के अनुसार जारी कृषि-मौसम सलाह का नियमित रूप से पालन करें।

लघु संदेश सलाहकार:

□ कृषि-मौसम सलाह की जानकारी स्थानीय भाषा में प्राप्त करने के लिए मेघदूत (MEGHDOOT) ऐप का उपयोग करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	□ किसानों को सलाह दी जाती है कि अच्छी तरह से तैयार खेतों में फसल की बुवाई करें। बुवाई से पहले बीजों की अच्छी तरह सफाई एवं श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें। □ दीमक से प्रभावित मिट्टी में बुवाई के लिए बीजों को पहले क्लोरपायरीफॉस 20 EC की 4 मिलीलीटर मात्रा प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें तथा सूखने के बाद बाविस्टिन या विटावैक्स की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	□ किसानों को सलाह दी जाती है कि सेब के पेड़ों के तनों पर जमीन से लगभग 30–45 सेंटीमीटर की ऊँचाई पर पीले चिपचिपे पट्टे (Yellow Sticky Bands) लगाएँ, ताकि जड़ों से पेड़ के ऊपरी भाग (छत्रक) की ओर जाने वाले ऊनी सेब माहू (Woolly Apple Aphid) को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके।
मटर	पौधों को गिरने एवं टूटने से बचाने के लिए उचित स्टेकिंग (Staking) करें तथा उन्हें सहारा प्रदान करें। मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
गोभी	□ जिन किसानों ने पहले ही पौधों की रोपाई कर दी है, उन्हें फसल की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए मिट्टी में उचित नमी बनाए रखने हेतु हल्की सिंचाई करने की सलाह दी जाती है। □ फसल की प्रारंभिक वानस्पतिक अवस्था के दौरान बालदार सूंडी (Hairy Caterpillar) के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। इसके लिए पत्तियों की निचली सतह पर अंडों के समूह तथा प्रारंभिक अवस्था की छोटी सूंडियों की जाँच करें। प्रारंभिक प्रकोप की स्थिति में अंडों के समूहों एवं छोटी सूंडियों को हाथ से एकत्रित करके नष्ट करने की सलाह दी जाती है।
प्याज	□ किसानों को प्याज की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार करने हेतु उचित समय पर बीज बोने की सलाह दी जाती है।
लहसुन	अच्छी फसल उपज प्राप्त करने के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखने हेतु हल्की सिंचाई करने की सलाह दी जाती है। मिट्टी की सतह पर कठोर परत (पपड़ी) बनने से रोकने तथा मिट्टी में वायु संचार बेहतर बनाए रखने के लिए हल्की गुड़ाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	□ किसानों को पशुओं में लंपी स्किन डिजीज (Lumpy Skin Disease) के लक्षणों की नियमित निगरानी करने की सलाह दी जाती है। □ यह रोग मक्खियों, मच्छरों एवं किलनियों के माध्यम से पशुओं में तेजी से फैल सकता है। इसके प्रमुख लक्षणों में शरीर पर नरम, गाँठ जैसे उभार, बुखार, नाक से स्राव, आँखों से पानी आना, अत्यधिक लार आना, दूध उत्पादन में कमी तथा चारा खाने में कठिनाई शामिल हैं। □ रोगग्रस्त पशुओं का समय पर उपचार एवं टीकाकरण करवाएँ तथा उन्हें स्वस्थ पशुओं से अलग रखें। पशुशाला को साफ-सुथरा एवं स्वच्छ रखें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	□ मिट्टी में नमी बनाए रखने, खरपतवारों की वृद्धि नियंत्रित करने तथा सतही जल बहाव को कम करने के लिए पौधों के आसपास सूखी पत्तियों जैसे जैविक मल्च का प्रयोग करें। □ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

□ पिछले कुछ दिनों से लगातार शुष्क मौसम रहने तथा आगामी पाँच दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना के कारण फसलों में मृदा नमी की कमी, सिंचाई की बढ़ती आवश्यकता तथा कीटों के प्रकोप की संभावना हो सकती है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों में समय पर सिंचाई करें, मृदा में नमी बनाए रखने के लिए फसलों के आसपास सूखी घास की पलवार (मल्चिंग) बिछाएँ तथा कीटों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें।

Farmers are advised to download Unified ?Mausam? and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details